अब की ग्यारस पे बुला ल्यो खाटू धाम | By Ashish Srivastava

ओ जी सांवरिया कर दो म्हारो एक काम
इब की ग्यारस पे बुला ल्यो खाटू धाम
यादां सतावे म्हाने थारी सुबह शाम
इब की ग्यारस पे बुला ल्यो खाटू धाम

संगी साथी सगळा म्हारा खाटू जावे
देख देख वाने म्हारो जी ललचावे
म्हे भी उडीका बाबा थारो पैगाम
इब की ग्यारस पे बुला ल्यो खाटू धाम

ओ जी ओ बाबा जी थां सु प्रीत लगाईं
बिन दर्शन कैयां होवे समाई
सुपने में घूमे म्हारे केसरियो निशान
इब की ग्यारस पे बुला ल्यो खाटू धाम

पैदल चलकर मंदर आस्या
हिवड़े रो सगलो थाने हाल सुणास्यां
गोलू को कर दयो बाबा पूरो अरमान
इब की ग्यारस पे बुला ल्यो खाटू धाम

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%85%e0%a4%ac-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%97%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%b8-%e0%a4%aa%e0%a5%87-%e0%a4%ac%e0%a5%81%e0%a4%b2%e0%a4%be-%e0%a4%b2%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a5%8b-%e0%a4%96/